दुर्लभ बीमारियों पर राष्ट्रीय नीति

संदर्भ : जीएसटी परिषद के नवीनतम निर्णय के अनुसार, दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति, 2021 के अंतर्गत दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली आयातित दवाओं और विशेष चिकित्सा प्रयोजनों के लिए भोजन (एफएसएमपी) को (अब व्यक्तिगत उपयोग के लिए) आयात किए जाने पर आईजीएसटी से छूट दी गई है।

प्रमुख विशेषताएँ

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दुर्लभ बीमारी के रोगियों को उपचार प्रदान करने के लिए 2021 में दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति (एनपीआरडी) शुरुआत की थी।
- नीति का उद्देश्य स्वदेशी अनुसंधान और दवाओं के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है।
- इसका लक्ष्य दुर्लभ बीमारियों के इलाज की लागत को कम करना है।
- नीति का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य, रोकथाम में सहायता के लिए दुर्लभ बीमारियों की शीघ्र जांच और पता लगाना है।
- **नीति आवश्यक उपचार के प्रकार के आधार पर दुर्लभ बीमारियों को तीन समूहों में वर्गीकृत करती है:**
  - **समूह 1** में ऐसे विकार शामिल हैं जिनका एक बार में उपचार किया जा सकता है।
  - **समूह 2** में दीर्घकालिक या आजीवन उपचार की आवश्यकता वाली बीमारियाँ शामिल हैं।
  - **समूह 3** में वे बीमारियाँ शामिल हैं जिनका निश्चित उपचार उपलब्ध है, लेकिन इसकी चुनौतियों में रोगी का चयन, उच्च लागत और आजीवन चिकित्सा शामिल हैं।
- राष्ट्रीय आरोग्य निधि की व्यापक योजना में समूह 1 के तहत सूचीबद्ध दुर्लभ बीमारी के रोगियों को 20 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- राष्ट्रीय आरोग्य निधि एक ऐसी योजना है जो प्रमुख जीवन-घातक बीमारियों से पीड़ित रोगियों, विशेष रूप से गरीबी रेखा (बीपीएल) से नीचे रहने वाले लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- वित्तीय सहायता बीपीएल परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि (सरकारी तृतीयक अस्पतालों में इलाज के लिए) प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के मानदंडों के तहत पात्र आबादी के लगभग 40% तक बढ़ाई जा सकती है।

उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

- मरीज दुर्लभ बीमारी के इलाज और वित्तीय सहायता के लिए नजदीकी उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) से संपर्क कर सकते हैं।
- दुर्लभ बीमारियों के निदान, रोकथाम और उपचार के लिए आठ सीओई नामित किए गए हैं।
- प्रत्येक सीओई को स्क्रीनिंग और उपचार सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये तक का एकमुश्त अनुदान मिलता है। ।

वैकल्पिक वित्त पोषण तंत्र:

- इसमें स्वैच्छिक क्राउडफंडिंग का उपयोग अतिरिक्त फंडिंग एवेन्यू के रूप में किया जाता है।
- दुर्लभ बीमारी के रोगियों के इलाज के खर्च में स्वेच्छा से योगदान करने के लिए व्यक्तियों और कॉर्पोरेट दानदाताओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय रजिस्ट्री

- शोधकर्ताओं और डेवलपर्स के लिए व्यापक डेटा और मानकीकृत परिभाषाएँ प्रदान करने के लिए दुर्लभ बीमारियों के लिए एक राष्ट्रीय अस्पताल-आधारित रजिस्ट्री स्थापित की जाएगी।

दुर्लभ रोग

- 6,000-8,000 वर्गीकृत दुर्लभ बीमारियाँ हैं, लेकिन 5% से भी कम का ही उपचार उपलब्ध है।
- दुर्लभ बीमारियों के उदाहरणों में लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर (एलएसडी), पोम्पे रोग, सिस्टिक फाइब्रोसिस, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, स्पाइना बिफिडा और हीमोफिलिया शामिल हैं।
- लगभग 95% दुर्लभ बीमारियों में अनुमोदित उपचार का अभाव है, और 10 में से 1 से भी कम रोगियों को रोग-विशिष्ट उपचार प्राप्त होता है।
- लगभग 80% दुर्लभ बीमारियाँ आनुवंशिक उत्पत्ति से सम्बन्धित होती हैं।
- दुनिया भर में दुर्लभ बीमारियों की अलग-अलग परिभाषाएँ हैं और इनका प्रचलन 10,000 में से 1 से लेकर प्रति 10,000 लोगों में 6 तक है।
- सामान्य तौर पर, दुर्लभ बीमारियाँ कम प्रसार वाली स्वास्थ्य स्थितियाँ हैं जो अधिक सामान्य बीमारियों की तुलना में कम संख्या में व्यक्तियों को प्रभावित करती हैं।
- कई दुर्लभ बीमारियाँ गंभीर, पुरानी और जीवन-घातक होती हैं।
- भारत में, लगभग 50-100 मिलियन लोग दुर्लभ बीमारियों से प्रभावित हैं, जिनमें से लगभग 80% बच्चे हैं।
- इन जीवन-घातक बीमारियों की उच्च रुग्णता और मृत्यु दर प्रभावित बच्चों की जीवित रहने की दर कम कर देती है।

मध्यम रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरेडियोमीटर (MODIS)

सन्दर्भ : मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरेडियोमीटर के डेटा का विश्लेषण करने वाले वैज्ञानिकों ने पाया है कि जलवायु परिवर्तन ने दुनिया के आधे से अधिक (56%) महासागरों का रंग बदल दिया है।

- दक्षिणी हिंद महासागर सहित उष्णकटिबंधीय जल का रंग उल्लेखनीय रूप से बदल गया है और हरा दिखाई देने लगा है।
- समुद्र के रंग में परिवर्तन फाइटोप्लांकटन समुदायों में बदलाव का संकेत देता है, जो समुद्री खाद्य जाल की नींव के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- मानव आंखें समुद्र में होने वाले सूक्ष्म रंग परिवर्तनों को आसानी से नहीं देख सकतीं।
- जबकि महासागरों को आमतौर पर नीला माना जाता है, असली रंग अलग-अलग हो सकता है, जिसमें नीले से हरे और यहां तक कि लाल रंग भी शामिल हैं।
- समुद्र में हरा रंग क्लोरोफिल के कारण होता है, एक वर्णक जो प्रकाश संश्लेषण के लिए फाइटोप्लांकटन द्वारा उपयोग किया जाता है।
- फाइटोप्लांकटन की आबादी और रंग में परिवर्तन से उन जीवों पर प्रभाव पड़ सकता है जो खाद्य स्रोत के रूप में प्लैंकटन पर निर्भर हैं।

MODIS

- मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरेडियोमीटर (MODIS) टेरा (EOS AM-1) और एक्वा (EOS PM-1) उपग्रहों पर एक प्रमुख उपकरण है।
- टेरा और एक्वा को नासा द्वारा क्रमशः 1999 और 2002 में लॉन्च किया गया था।
- टेरा सुबह पृथ्वी की परिक्रमा करता है, भूमध्य रेखा के पार उत्तर से दक्षिण की ओर गुजरता है, जबकि एक्वा दोपहर में पृथ्वी की परिक्रमा करता है, भूमध्य रेखा के पार दक्षिण से उत्तर की ओर गुजरता है।
- टेरा और एक्वा पर MODIS 36 वर्णक्रमीय बैंडों में डेटा कैप्चर करता है, जो हर 1 से 2 दिनों में पूरी पृथ्वी की सतह को कवर करता है।
- ये डेटा भूमि, महासागर और निचले वायुमंडल में वैश्विक प्रक्रियाओं की हमारी समझ में योगदान दते हैं।
- MODIS सटीक वैश्विक परिवर्तन पूर्वानुमानों के लिए मान्य पृथ्वी प्रणाली मॉडल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- उपकरण का डेटा नीति निर्माताओं को पर्यावरण संरक्षण के संबंध में सूचित निर्णय लेने में सहायता करता है।

प्रकृति पुनर्स्थापन कानून

संदर्भ: एमईपी ने हाल ही में ईयू प्रकृति बहाली कानून के पक्ष में मतदान किया, जिसमें 336 वोट पक्ष में, 300 वोट विपक्ष में और 13 वोट नहीं पड़े।

उद्देश्य

- कानून 2050 तक खराब स्थिति वाले 80% यूरोपीय आवासों को बहाल करने का लक्ष्य रखता है।
- प्रत्येक सदस्य राज्य के पास कानूनी रूप से बाध्यकारी लक्ष्य होंगे।
- 2030 तक, यूरोपीय संघ के कम से कम 20% भूमि और समुद्री क्षेत्रों को प्रकृति बहाली उपायों द्वारा कवर किया जाना चाहिए, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य 2050 तक सभी जरूरतमंद पारिस्थितिक तंत्रों तक बहाली प्रयासों का विस्तार करना है।

कानून के लक्ष्य

- 2030 तक परागणकों की आबादी में गिरावट को उलटने और उनकी निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने का लक्ष्य।
- 2030 तक हरित शहरी स्थानों का कोई निवल नुकसान नहीं, 2050 तक 5% की वृद्धि और न्यूनतम 10% वृक्ष आवरण का लक्ष्य।
- घास के मैदान की तितलियों, खेत के पक्षियों और जैविक कार्बन के लिए सकारात्मक रुझान के साथ, कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में समग्र जैव विविधता को बढ़ाएं।
- कृषि और पीट निष्कर्षण के लिए उपयोग की जाने वाली सूखी पीटभूमि को पुनर्स्थापित करें और पुनः गीला करें।
- वन कनेक्टिविटी, वन पक्षियों और जैविक कार्बन स्टॉक के लिए सकारात्मक रुझान के साथ, वन पारिस्थितिकी तंत्र में जैव विविधता बढ़ाएं।
- समुद्री घास और तलछट तल जैसे समुद्री आवासों को पुनर्स्थापित करें, और डॉल्फ़िन, पोरपोइज़, शार्क और समुद्री पक्षी जैसी प्रतिष्ठित समुद्री प्रजातियों के आवासों को संरक्षित करें।
- 2030 तक कम से कम 25,000 किलोमीटर मुक्त-प्रवाह वाली नदियाँ प्राप्त करने के लिए नदी अवरोधों को हटाएँ।

यूरोपीय ग्रीन डील

- कार्यक्रम का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि यूरोप 2050 तक पहला जलवायु-तटस्थ महाद्वीप बन जाए, साथ ही यूरोपीय उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जाए और प्रभावित क्षेत्रों और श्रमिकों के लिए एक निष्पक्ष संक्रमण की सुविधा प्रदान की जाए।
- पहल की सूची (यादृच्छिक क्रम में):
  - ईयू उत्सर्जन व्यापार प्रणाली का विस्तार करने का प्रस्ताव
  - यूरोपीय जलवायु कानून, 2050 जलवायु-तटस्थता उद्देश्य को कानूनी रूप से स्थापित करना
  - कार्बन सीमा कर
  - नई औद्योगिक रणनीति
  - हरित वित्तपोषण और एक सतत यूरोप निवेश योजना के लिए रणनीति
  - 2030 के लिए यूरोपीय संघ के उत्सर्जन कटौती लक्ष्य को 55% तक बढ़ाने की व्यापक योजना
  - 'फार्म टू फोर्क रणनीति' संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में टिकाऊ भोजन पर ध्यान केंद्रित करती है
  - 2030 के लिए जैव विविधता रणनीति
  - माइक्रोप्लास्टिक को संबोधित करने वाली नई सर्कुलर इकोनॉमी कार्य योजना
  - न्यू जस्ट ट्रांजिशन फंड
  - यूरोपीय निवेश बैंक के कुछ हिस्सों को यूरोप के जलवायु बैंक में बदलने का प्रस्ताव
  - यूरोपीय जलवायु समझौता

NEWS IN BETWEEN THE LINES

चंद्रयान – 3

संदर्भ: आज (14/07/2023), भारत का तीसरा चंद्रमा मिशन, चंद्रयान -3, दोपहर 2.35 बजे लॉन्च होने वाला है।
लॉन्च स्थल: लॉन्च व्हीकल मार्क-III (LVM3) श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा।
उद्देश्य: 2019 में चंद्रयान-2 मिशन के असफल प्रयास के बाद, चंद्रयान-3 का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग हासिल करना है।
सॉफ्ट-लैंडिंग: अब तक केवल तीन देश, अमेरिका, रूस और चीन ही चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग कर पाए हैं।
घटक: चंद्रयान-3 में एक स्वदेशी प्रणोदन मॉड्यूल (पीएम), एक लैंडर मॉड्यूल (एलएम) और एक रोवर शामिल है। इसका उद्देश्य अंतरग्रहीय मिशनों के लिए नई प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करना है।
पृष्ठभूमि:
चंद्रयान-1:
भारत का पहला चंद्र मिशन 2008 में लॉन्च हुआ।
उद्देश्य: चंद्रमा की सतह का अध्ययन करना, पानी की बर्फ की खोज करना और चंद्रमा की उत्पत्ति और विकास की समझ को बढ़ाना। इसने चंद्रमा की सतह पर पानी के अणुओं की खोज की और विभिन्न तत्वों और खनिजों का मानचित्रण किया।
मिशन की अवधि: 312 दिन
चंद्रयान-2:
भारत का दूसरा चंद्र मिशन 2019 में लॉन्च हुआ।
घटक: ऑर्बिटर , लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान)।
उद्देश्य: चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग और रोवर अन्वेषण। लैंडर की हार्ड लैंडिंग हुई और संपर्क टूट गया, लेकिन ऑर्बिटर चालू है।

बैस्टिल दिवस

संदर्भ: हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने सम्मानित अतिथि के रूप में फ्रांसीसी राष्ट्रीय दिवस समारोह, जिसे बैस्टिल दिवस के नाम से जाना जाता है, में भाग लेने के लिए पेरिस का दौरा किया।
बैस्टिल दिवस: फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस, जिसे बैस्टिल दिवस या फेटे नेशनेल फ्रैन्काइज़ के नाम से भी जाना जाता है, 14 जुलाई को मनाया जाता है और इसमें एक भव्य सैन्य परेड, नृत्य और समारोह आयोजित किए जाते हैं।
ऐतिहासिक महत्व: 14 जुलाई 1789 में पेरिस के एक किले बैस्टिल पर हमले की याद दिलाता है, जिसने फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत को चिह्नित किया और दुनिया भर में लोकतांत्रिक विचारों को प्रभावित किया।
फेटे डे ला फेडरेशन : 14 जुलाई को फ्रांसीसी लोगों की एकता का जश्न मनाने के लिए 1790 में आयोजित फेटे डे ला फेडरेशन की सालगिरह भी है। यह फ्रांसीसी राजशाही के अंत और एक नई व्यवस्था की स्थापना का प्रतीक था।
पृष्ठभूमि: बैस्टिल की अशांति गरीबी, फसल की विफलता और उच्च खाद्य कीमतों सहित सामाजिक और आर्थिक तनावों से पहले हुई थी, जिसके कारण आम लोगों में असंतोष पैदा हुआ।
बैस्टिल दिवस की घटनाएँ: 14 जुलाई, 1789 को, एक बड़ी सशस्त्र भीड़ ने बैस्टिल के आत्मसमर्पण की मांग करते हुए उसकी ओर मार्च किया। प्रारंभिक प्रतिरोध के बाद, किले पर कब्जा कर लिया गया, जो क्रांतिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी।
भारतीय भागीदारी: 2009 में, भारतीय सैनिकों को बैस्टिल दिवस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 400 सदस्यों की एक टुकड़ी ने सैन्य परेड का नेतृत्व किया था।

कोंडोर का मार्ग

लीमा के उत्तर-पूर्व में स्थित चाविन डी हुआनतार पुरातात्विक स्थल के भीतर एक 3,000 साल पुराने सीलबंद गलियारे की खोज की, जिसे " कोंडोर पैसेजवे" के रूप में जाना जाता है।
कोंडोर पैसेजवे: सीलबंद गलियारे में एक महत्वपूर्ण खोज में कोंडोर आकृति वाला एक चीनी मिट्टी का टुकड़ा शामिल है, जो प्राचीन एंडियन संस्कृतियों में शक्ति और समृद्धि का प्रतीक है।
चाविन संस्कृति: 1,500-550 ईसा पूर्व तक फली-फूली चाविन संस्कृति उन्नत कला के लिए जानी जाती थी। वे इंका साम्राज्य से 2,000 वर्ष पहले अस्तित्व में थे।
संस्कृति की झलक: सीलबंद गलियारा प्राचीन कलाकृतियों और संरचनाओं को दर्शाता है, जो चाविन संस्कृति के शुरुआती दिनों की झलक पेश करता है।
मंदिर परिसर: चाविन मंदिर परिसर में नए खोजे गए मार्ग और छतें शामिल हैं, जिनमें अभी और खुदाई की जानी बाकी है।
ऐतिहासिक महत्व: 1985 से विश्व धरोहर स्थल चाविन डी हुआनतार को 1997 में लीमा में बंधक बचाव अभियान के दौरान प्रमुखता मिली। साइट के भूमिगत मार्गों ने पेरू के सशस्त्र बलों द्वारा सुरंगों के निर्माण को प्रेरित किया।
भूमिगत मार्ग: चाविन डी हुआनतार में मंदिर की दीर्घाओं से पहले के 35 से अधिक परस्पर जुड़े हुए भूमिगत मार्ग हैं। ये मार्ग 1,200 और 200 ईसा पूर्व के बीच एंडियन तलहटी में बनाए गए थे।

इंडो-पैसिफिक आर्थिक ढांचा

सन्दर्भ : हाल ही में, भारत 14 देशों के व्यापार समूह, इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (आईपीईएफ) के व्यापार स्तंभ में अपनी भागीदारी पर विचार कर रहा है।

आईपीईएफ क्या है?

यह अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल है जिसका उद्देश्य लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक साझेदारी और विकास को बढ़ाना है।

सदस्य: आईपीईएफ में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 14 देश शामिल हैं, जो दुनिया की 40% जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आईपीईएफ के स्तंभ: वार्ता चार स्तंभों पर आधारित है: आपूर्ति-श्रृंखला लचीलापन, स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचा, कराधान और भ्रष्टाचार विरोधी तथा निष्पक्ष और लचीला व्यापार।

भारत की स्थिति: व्यापार स्तंभ को छोड़कर, भारत आईपीईएफ के चार स्तंभों में से तीन में शामिल हो गया है। भारत डिजिटल प्रशासन, गोपनीयता और डेटा नियमों जैसे क्षेत्रों में शर्तों और अपने हितों के साथ टकराव को लेकर सतर्क है।

समाचार में स्थान

इक्वेडोर

सदस्य: हाल ही में, इक्वाडोर का बंदरगाह शहर गुआयाकिल गंभीर संकट का सामना कर रहा है क्योंकि आपराधिक गिरोह नियंत्रण के लिए लड़ रहे हैं, जिससे हिंसा में वृद्धि हुई है।

राजधानी: क्विटो इक्वाडोर की राजधानी है, जो देश के ऊंचे इलाकों में स्थित है।

भौगोलिक स्थिति: दक्षिण अमेरिका में स्थित इक्वाडोर की सीमा कोलंबिया और पेरू से लगती है। एंडीज़, अमेज़न वर्षावन और गैलापागोस द्वीप समूह के साथ इसका भूगोल विविध है। भूमध्य रेखा पर फैले होने के कारण इसे यह नाम मिला।

आधिकारिक भाषा: इक्वाडोर की आधिकारिक भाषा स्पेनिश है। क्वेशुआ और शुआर जैसी स्वदेशी भाषाएँ भी व्यापक रूप से बोली जाती हैं।

मुद्रा: इक्वाडोर की मुद्रा यूनाइटेड स्टेट्स डॉलर (USD) है, जो वर्ष 2000 से प्रचलन में है।

स्वतंत्रता: 24 मई, 1822 को साइमन बोलिवर के नेतृत्व में अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ इक्वाडोर ने स्पेनिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

जैव विविधता: इक्वाडोर अत्यधिक जैव विविधता वाला देश है , अद्वितीय वनस्पतियों और जीवों का घर है। गैलापागोस द्वीप समूह, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, अपनी स्थानिक प्रजातियों के लिए प्रसिद्ध है।